Toppersnotes®
Unleash the topper in you

उत्तराखण्ड वन आरक्षी

समूह 'ग'

उत्तराखण्ड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग

भाग - 4

विश्व का इतिहास, अंतर्राष्ट्रीय संस्थान एवं कंप्यूटर

SIERRA INNOVATIONS

क्र.सं.	अध्याय	पृष्ठ सं.
	विश्व का इतिहास, अंतर्राष्ट्रीय संस्थान	
1.	यूरोप में राष्ट्रवाद का उदय	**1**
2.	फ्रांस की क्रांति	**7**
3.	अमरीकी क्रांति	**16**
4.	रूसी क्रांति	**21**
5.	महत्वपूर्ण अंतर्राष्ट्रीय संस्थान	**23**
	कंप्यूटर	
1.	कंप्यूटर का परिचय	**29**
2.	कंप्यूटर की कार्य प्रणाली, इनपुट, आउटपुट एवं भण्डारण	**32**
3.	कंप्यूटर प्रणाली बाइनरी, डेसीमल आस्की कोड व यूनिकोड	**36**
4.	कंप्यूटर का संगठन	**39**
5.	कंप्यूटर की भाषाए	**42**
6.	कंप्यूटर सॉफ्टवेर	**44**
7.	ऑपरेटिंग सिस्टम	**45**
8.	मैक्रोसोफ्ट, विण्डोस, उसके विभिन्न वर्जन व उसके मुलभुत अवयक	**46**
9.	वर्ड प्रोसेसिंग सॉफ्टवेर	**47**
10.	माइक्रोसॉफ्ट पॉवर पॉइंट	**49**
11.	माइक्रोसॉफ्ट एक्सेल स्प्रेडशीट सॉफ्टवेर	**51**
12.	इन्टरनेट	**57**
13.	कंप्यूटर नेटवर्किंग	**60**
14.	नेटवर्क टोपोलॉजी	**62**
15.	वेबसाइट	**64**
16.	डेटाबेस	**66**
17.	सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी	**71**
18.	सोशल नेटवर्किंग साईट	**83**
19.	कंप्यूटर संक्षिप्ताक्षर (Abbreviations)	**86**

1 CHAPTER यूरोप में राष्ट्रवाद का उदय

राष्ट्: मुख्य रूप से **सामान्य वंश**, **भाषा**, **इतिहास वाले लोगों की** एक बड़ी **संख्या परिभाषित सीमाओं** वाले **क्षेत्र में निवास** करती है और एक **सरकार के तहत समाज का गठन** करती है।

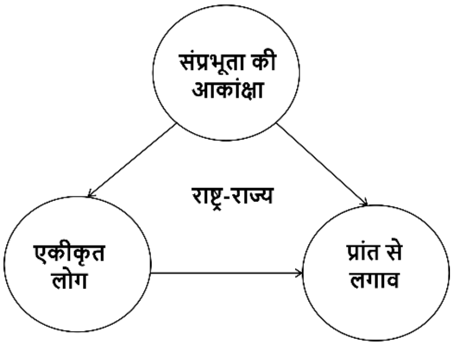

राष्ट्रवाद का अर्थ

- **देशभक्ति का एक गहन रूप।**
  - **राष्ट्रवादी** प्रवृत्ति वाले **लोगों** ने अपने **देश की संस्कृति और उपलब्धियों की प्रशंसा** की और अन्य देशों के हितों की जगह **स्वयं के हितों को प्राथमिकता** दी।
- **19वीं और 20वीं शताब्दी के दौरान राष्ट्रवाद**: एक शक्तिशाली शक्ति जो:
  - कई अलग-अलग देशों (जैसे इटली और जर्मनी) से एक राष्ट्र बना सकती है।
  - एक राष्ट्र को कई देशों में विभाजित (जैसे ऑस्ट्रिया-हंगरी और तुर्की) कर सकती है।
- **राष्ट्रवाद का उदय** हुआ और **यूरोप के राजनीतिक और मानसिक परिपेक्ष्य** में **महत्वपूर्ण परिवर्तन** हुए।
- **परिणाम**: राष्ट्र-राज्य का उदय जिसने यूरोप के बहुराष्ट्रीय राजवंशीय साम्राज्यों का स्थान ले लिया।

फ्रांसीसी क्रांति और "राष्ट्र" का विचार

- फ्रांसीसी क्रांति के परिणामस्वरूप **संप्रभुता राजशाही से फ्रांसीसी नागरिकों के एक निकाय में स्थानांतरित** हो गई।
- **फ्रांस** में **राष्ट्रवाद** का **विकास।**
- विभिन्न **उपायों** और **प्रथाओं की शुरूआत** ने **सामूहिक भावना** पैदा की
- **राजतंत्र** में **परिवर्तन** और **गणतंत्र** की **स्थापना।**
- **नई विधानसभा** का **निर्माण।**
- **नेपोलियन** का **उदय** और **उसके सुधार।**
- **यूरोप को तानाशाही से मुक्त करने के मिशन की घोषणा।**
  - यूरोप के **शिक्षित मध्यम वर्गों** और **छात्रों** द्वारा **जैकोबिन क्लब बनाए** गए थे।
  - इसने **पूरे यूरोप में भी क्रांति को संचालित** किया।

यूरोप में राष्ट्रवाद का निर्माण

- 18वीं शताब्दी के मध्य तक **यूरोप में "राष्ट्र राज्य" की कोई अवधारणा नहीं** थी।
- **समाज और राजनीति में अभिजात वर्ग का वर्चस्व** था।
- **19वीं सदी** में **औद्योगीकरण के कारण कामकाजी** और **मध्यम वर्ग का उदय** हुआ।
- **शिक्षित, उदार मध्यम वर्ग ने अभिजात वर्ग** के **विशेषाधिकारों के उन्मूलन** की **वकालत** की।
- **जर्मनी**, **इटली** और **स्विटजरलैंड** को **राज्यों**, **डयूक** क्षेत्रो और **प्रान्तों में विभाजित** किया गया था

उदारवादी राष्ट्रवाद

अर्थ

राजनीतिक क्षेत्र में	• **सम्मति** से शासन • **तानाशाही** का **अंत** • **संविधान** का **अंगीकरण** • **संपत्ति** के **अधिकार** का अंत। • **कानून** के **समक्ष समानता** • संसद के माध्यम से **प्रतिनिधि सरकार**
आर्थिक क्षेत्र में	• **बाजार** के लिए **स्वतंत्रता।** • **माल** और **पूंजी** की **आवाजाही पर राज्य द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों को हटाना।** • **1834** में, **एक सीमा शुल्क संघ - ज़ोलवेरिन का गठन** किया गया था। • **टैरिफ बाधाओं को समाप्त** कर दिया गया और **मुद्राओं की संख्या को बत्तीस से घटाकर दो** कर दिया गया ।

1815 के बाद नवीन रूढ़िवादिता

- नेपोलियन की हार के बाद **यूरोपीय सरकारें रूढ़िवाद की भावना से प्रेरित** हुई।
- **ब्रिटेन, रूस, प्रशिया/ प्रुशिया और ऑस्ट्रिया ने 1815 में "वियना की संधि"** की।
  - **उद्देश्य** : नेनेपोलियन द्वारा शुरू किए गए परिवर्तनों को पूर्ववत करने और राजशाही बहाल करने के लिए।
- **वियना की संधि के प्रावधान**
  - **बॉर्बन राजवंश** की **बहाली।**
  - **नेपोलियन द्वारा अधिग्रहित क्षेत्र वापस** ले लिए गए
  - भविष्य में **फ्रेंच विस्तार** को **रोका**
  - **ऑस्ट्रिया उत्तरी इटली को नियंत्रित** करेगा

- **प्रशिया** को **सैक्सोनी सहित** इसकी **पश्चिमी सीमा** पर नए क्षेत्र दिए गए।
- **39 राज्यों के जर्मन परिसंघ में कोई बदलाव नहीं।**
- **रूस को पोलैंड** दिया गया।

क्रांतिकारी

- राष्ट्रवाद के विचारों को फैलाने और रूढ़िवाद का विरोध करने के लिए **गुप्त समितियों की स्थापना** की।
- **मेत्सिनी**: **"राष्ट्र-राज्य"** आवश्यक मानते थे और **राजशाही का विरोध** किया।
    - जर्मनी, फ्रांस, स्विट्जरलैंड और पोलैंड में अन्य गुप्त समितियों को प्रेरित किया।
- **ज्युसेपे मेत्सिनी**: एक गुप्त समिति (**कार्बोनरी**) **में शामिल** हो गए।
    - दो और गुप्त समितियों की स्थापना की
        - **मार्सिले** में "**यंग इटली**"
        - **बर्न** में "**यंग यूरोप**"।

क्रांतिकारियों की विशेषताएं

- **1815 के बाद:** दमन के डर से कई उदार-राष्ट्रवादि भूमिगत हो गये।
- इस समय में **क्रांतिकारी का अर्थ** था **राजतंत्रीय रूपों का विरोध करने** और **स्वतंत्रता** के लिए **लड़ने** की **प्रतिबद्धता।**
- **1807**: **ज्युसेपे मेत्सिनी** का **जन्म** जेनोआ में हुआ था।
- **लिगुरिया में क्रांति** शुरू करने का प्रयास करने के लिए उन्हें **1831 में निर्वासन में भेज** दिया गया था।
- **मेत्सिनी** का मानना था कि **परमेश्वर ने राष्ट्रों को मानवजाति की प्राकृतिक इकाइयों के रूप में बनाने का इरादा रखा था।**
- जर्मनी, फ्रांस, स्विट्ज़रलैंड और पोलैंड में गुप्त समाज स्थापित किए गए।
    - **मेटरनिख** ने उन्हें '**हमारी सामाजिक व्यवस्था का सबसे खतरनाक दुश्मन**' बताया।

क्रांति का युग: 1830 - 1848

क्रांति के युग का विभाजन
3 भागो में बाँटा जा सकता

- रूमानी कल्पना और राष्ट्रीयता की भावना
- भूखमरी, कठिनाई और महत्वपूर्ण क्रांति
- 1848 उदारवादियों की क्रांति

रूमानी कल्पना और राष्ट्रीय भावना

- **रूमानीवाद या रुमानी कल्पना:** एक सांस्कृतिक आंदोलन जो **यूरोप में उत्पन्न** हुआ, जिसका **उद्देश्य** एक **निश्चित प्रकार के राष्ट्रवादी विचारों या भावनाओं को उत्पन्न करना** था।
- रुमानी कलाकारों का **मूल लक्ष्य एक साझा सांस्कृतिक अतीत** और एक **साझा सांप्रदायिक इतिहास** की भावना **स्थापित** करना था।
- **नए विचार**
    - **रुमानी कल्पना, कला और संस्कृति** ने **राष्ट्रवाद** को **विकसित** करने में मदद की।
    - राष्ट्र के विचार को विकसित करने में **संस्कृति ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई**:
        - **कला** और **कविता**, **कहानियों** और **संगीत** ने **राष्ट्रवादी भावनाओं को व्यक्त करने** और **आकार देने में मदद** की।
    - आमतौर पर **रूमानी कलाकारों और कवियों** ने **तर्क -वितर्क** और **विज्ञान** के **महिमामंडन की आलोचना** की और उसकी जगह भावनाओं, अंतर्दृष्टि और रहस्यवादी भावनाओं पर जोर दिया।
        - राष्ट्रवादी भावनाओं को आकार देने के लिए **कविता, कहानियों और संगीत का इस्तेमाल** किया।
- लोक कथाओं का प्रयोग **निरक्षरों में राष्ट्रवाद फैलाने के लिए** किया जाता था।
- **भाषा ने अहम भूमिका निभाई**
    - **पोलैंड** में **पोलिश भाषा** को **रूसी प्रभुत्व के खिलाफ संघर्ष के प्रतीक** के रूप में देखा गया

1830 के विद्रोह

फ्रांस	बेल्जियम	पोलैंड	इटली
उदारवादियों ने वैधानिक राजतंत्र स्थापित किया लुईस फिलिप नए सम्राट	राष्ट्रीयता की भावना ने बेल्जियम को पूर्व डच गणराज्य के खिलाफ विद्रोह करने के लिए प्रेरित किया	राष्ट्रीयता की भावना ने पोलैंड को विदेशी शक्तियों से आजादी की प्रेरणा दी	राष्ट्रीयता की भावना ने इटली को लड़ाई के लिए प्रेरित किया की प्रेरणा दी

भूख, कठिनाई और विद्रोह

- **1830 का दशक:** यूरोप में कई वर्षो तक आर्थिक कठिनाई।
- **19वीं सदी का पहला भाग:** पूरे यूरोप में जनसंख्या वृद्धि।
    - शहरों में **ग्रामीण प्रवास**
    - **शहरों** में **भीड़भाड़** और **नौकरियां घटी**
- **हाथ से बने सामान** और **मशीन से बने सस्ते सामान के बीच** कड़ी **प्रतिस्पर्धा।**
- **सामंती कर्ज़** के बोझ तले दबे किसान
    - **ग्रामीण क्षेत्र** - अभिजात वर्ग सत्ता का आनंद उठा रहे थे।
- **किसानों और बुनकरों ने विद्रोह** कर दिया और **लुई फिलिप को भागने के लिए मजबूर** होना पड़ा।

उदारवादियों की क्रांति

1840 के विद्रोह

फ्रांस	जर्मन राज्य	मध्य यूरोप	इटालियन राज्य
1848 उदारवादी और कट्टरपंथि गणतन्त्रियों के एक समूह ने राजशाही को खत्म कर दिया दूसरी बार गणतंत्र स्थापित हुआ और चार्ल्स नेपोलियन बोनापार्ट को राष्टपति चुना गया	1948 उदारवाद और राष्ट्वाद ने फ्रैंकफर्ट विधान-सभा को संसदीय सरकार बनाने के लिए प्रेरित किया	मध्य यूरोप चेक और हंगी के विद्रोहियों ने उदारवादी संविधान और खुद के सरकार की मांग की आस्ट्रिया के सैनिको ने हंगी के विद्रोहियों को पराजित किया	लोम्बार्डी और वेनेशिया में विद्रोहियो ने एक उदारवादी संविधान और एकीकृत इटली स्थापित करने की कोशिश की 1849 तक आस्ट्रिया ने लोम्बार्डी और वेनेशिया में फिर से पूरी तरह काबू पा लिया

- **फ्रांसीसी राजशाही:** 1848 के विद्रोह और गणतंत्र की घोषणा द्वारा विस्थापित कर दी गयी
- **1848**: शिक्षित मध्यम वर्ग द्वारा क्रांति जारी।
- **जनता की मांग :** संसदीय सिद्धांतों पर राष्ट्र-राज्य का निर्माण
  - संविधान
  - प्रेस की आज़ादी
  - संघों के निर्माण की स्वतंत्रता
- **सेंट पॉल चर्च** में **फ्रैंकफर्ट संसद** का **आयोजन।**
- **जर्मन राष्ट्र के लिए संविधान का मसौदा** तैयार गया
- **प्रशिया के राजा फ्रेडरिक विलियम IV** ने **ताज पहनने के लिए मना** कर दिया और **निर्वाचित विधानसभा** का **विरोध** करने के लिए अन्य राजाओं के साथ शामिल हो गए।
- **संसद** में **मध्यम वर्ग का दबदबा**
- **उदारवादी आन्दोलन** में बड़ी संख्या में **महिलाओं ने भाग** लिया।

जर्मनी और इटली का निर्माण

जर्मनी का एकीकरण

- **वर्दुन की संधि 843 ई.:** जर्मनी अस्तित्व में आया।
- **रियासतों की स्वायत्तता** के कारण **19वीं शताब्दी तक कोई सामूहिक जर्मन पहचान नहीं** थी।
  - कई निवासियों ने **जर्मन सम्राट के बजाय अपने राजकुमार के साथ समन्वय** रखा।
- औद्योगिक क्रांति ने **परिवहन और संचार में सुधार** किया
  - **दूर-दराज के क्षेत्र संपर्क में** आए।
- **1815 में फ्रांस की हार: जर्मन परिसंघ की** फिर से **स्थापना** हुई।
  - **1815 समझौता:** वियना की कांग्रेस
  - दो सबसे बड़े राज्यों में **जर्मन परिसंघ का प्रभुत्व:**
    - ऑस्ट्रो-हंगेरियन साम्राज्य
    - प्रशिया।

प्रशिया का उदय

- **ऑस्ट्रियाई जर्मन राज्यों पर अपना प्रभाव बनाए रखेगा**
  - **जर्मन राष्ट्रवाद** का **दमन** किया।
  - **जर्मन राज्य** को एक **दूसरे के खिलाफ भड़काया गया।**
  - यह सुनिश्चित किया गया कि **कोई एक राज्य दूसरे राज्य पर हावी न हो।**
- **प्रशिया**: **जर्मन परिसंघ** के पूर्वी राज्य **के** कई **फायदे** थे।
  - **जनसंख्या जर्मन भाषी** थी
  - **राष्ट्रवाद** ने उन्हें **एकजुट** किया
  - एक **मजबूत जर्मन राज्य** बनाने **में मदद** की।
- **नेपोलियन**: जर्मन एकीकरण में **बुद्धिजीवियों की रुचि के लिए जिम्मेदार**
  - **जर्मनीवासियों पर** उनके **वर्चस्व से राष्ट्रवादी प्रतिक्रिया** हुई
  - **अधिकांश राज्य**, विशेष रूप से **प्रशिया नेपोलियन के विरोधी रहे।**
  - **प्रशिया - वाटरलू में जीत का हिस्सा।**
- **सात सप्ताह का युद्ध, 1866**
  - इटली ने **प्रशिया का पक्ष लिया**, क्योंकि:
    - ऑस्ट्रिया ने **वेनेशिया और अन्य छोटे क्षेत्रों पर कब्जा** कर लिया
- **प्रशिया ने ऑस्ट्रिया और उसके जर्मन सहयोगियों को हराया।**
  - जर्मन मामलों में **ऑस्ट्रियाई हस्तक्षेप को समाप्त किया।**
  - **प्रशिया** को अपने **साम्राज्य की नींव रखने में मदद की।**
- **बिस्मार्क** को पता था कि **फ्रांस को हराकर ही जर्मन राज्यों का एकीकरण** हो सकता है।
  - **फ्रांस को अलग करना**
  - **रूस** - **फ्रांस का सहयोगी**
    - रूस को आगामी युद्ध से दूर रखने के लिए **बिस्मार्क ने कूटनीति का प्रयोग किया।**
- **इटली** ने **तटस्थ** रहना और **फ्रांस** के लिए **नहीं लड़ना सुनिश्चित** किया।
  - उसने **सोचा** की **अंग्रेज युद्ध से बाहर रहेंगे** क्योंकि वे भी नही चाहते की **फ्रांस और अधिक शक्तिशाली बने।**

1870-1871 का फ्रेंको-प्रुशियन युद्ध

- **फ्रांस नेपोलियन III द्वारा शासित**
  - **राजनीतिक** और **सैन्य कौशल** का **अभाव।**
- **कूटनीतिक रणनीति** और **उकसावे की श्रृंखला**
  - बिस्मार्क ने **नेपोलियन III को प्रशिया के खिलाफ युद्ध** की घोषणा करने **के लिए उकसाया।**
- **परिणाम**: जर्मन राज्यों में फ्रांसीसी विरोधी भावनाएँ।
- **प्रशिया की सेना में** अन्य **जर्मन राज्यों की सेनाएँ** भी **शामिल** हो गयी।
- यह युद्ध **फ्रांस के लिए विनाशकारी** साबित हुआ।
- **सबसे महत्वपूर्ण लड़ाई:** सेडान की लड़ाई
  - **प्रशिया** की **जीत**
  - फ्रांस के **नेपोलियन III** सहित **80,000 पुरुषों को बंधक बना लिया** गया।
- परन्तु **प्रशिया पेरिस को नही जीत पाया।**
  - **चार महीने तक प्रशिया का विरोध किया** लेकिन भूख ने उन्हें आत्मसमर्पण करने के लिए मजबूर किया।
- यह **जर्मनी के एकीकरण का अंतिम चरण** था।
- इस जीत ने **दक्षिणी जर्मनी में भी राष्ट्रवाद को जागृत** किया
  - **प्रशिया** का **नेतृत्व स्वीकार कर लिया** ।
- बिस्मार्क ने **जर्मनी और यूरोप पर "ब्लड ऐण्ड आयरन" नीति** द्वारा **प्रशिया का प्रभुत्व स्थापित** किया।

ज़ोलवेरिन द्वारा निभाई गई भूमिका

- कुछ ताकतों ने **अप्रत्यक्ष रूप से देश के एकीकरण में मदद** की।
- **उदाहरण** - ज़ोलवेरिन या सीमा शुल्क संघ।
- **1818 से पहले -** प्रशिया के प्रत्येक जिले के अपने सीमा-शुल्क थे जो व्यापार और एकता के रास्ते में बाधा थे।
- **1818:** टैरिफ सुधार कानून पारित हुआ।
  - सारे **कच्चे माल का मुफ्त आयात** किया जायेगा।
  - **विनिर्मित वस्तुओं** पर **10%** का **कर**
  - "**औपनिवेशिक**" माल पर **20**%।
  - सभी **आंतरिक सीमा शुल्क समाप्त कर दिए गए**।
- प्रशिया **मुक्त व्यापार क्षेत्र** बन गया।
- **आंतरिक व्यापा**र बढ़ा।
- **1818 का कानून** अकेले **प्रशिया पर लागू हुआ**।
  - **अन्य जर्मन राज्य** अंततः **प्रशिया में शामिल** हो गए।
- **1837 तक**, **अधिकांश राज्य ज़ोलवेरिन में शामिल** हो गए।
- जब भी **संधियाँ समाप्त** होती थीं, उनका **नवीनीकरण** किया जाता था।
- **ज़ोलवेरिन में प्रवेश की मुख्य शर्तें:**
  - राज्यों के मध्य **पूर्ण मुक्त व्यापार**
  - सभी सीमाओं पर **एक समान टैरिफ**
  - **शुद्ध आय** को संबंधित राज्यों की **जनसंख्या के अनुपात में विभाजित** किया जायेगा।
- इससे **जर्मन राज्यों में एकता का भाव** आया।

जर्मन एकीकरण में बिस्मार्क की भूमिका

सैन्य सुधार

- **बिस्मार्क** ने कई **सैन्य सुधार** किये जिससे बाद में **युद्धों में सफल होने में मदद** मिली।
- **प्रत्यक्ष कराधान** के माध्यम से **सैन्य सुधारों के लिए धन एकत्र** किया।
- **इन सुधारों में शामिल थे:**
  - **अनिवार्य सैनिक सेवा** में **दो से तीन साल की बढ़ोतरी**।
  - **नई युद्ध रणनीति** पेश की गई।
  - **नीडल-गन जैसे हथियारों का प्रयोग**

भाषण

- जर्मन लोगों में **राष्ट्रवाद की भावना जगाने के लिए भाषणों का प्रयोग** किया।

देशों का पृथक्करण

- अन्य **देशों को सफलतापूर्वक अलग** कर दिया।
- इसके लिए **निम्नलिखित प्रयास** किए:
  - **एकीकरण का प्रथम युद्ध (श्लेस्विग-होल्स्टीन):**
    - लंदन प्रोटोकॉल द्वारा 1850 में डेनमार्क के तहत।
    - बिस्मार्क के नेतृत्व में ऑस्ट्रिया और प्रशिया ने 1864 में डेनमार्क पर हमला किया।
    - यह **ऑस्ट्रिया के खिलाफ बिस्मार्क का पहला कूटनीतिक कदम** था।

चुनाव

- ऑस्ट्रिया ने प्**रशिया का मुकाबला करने के लिए जर्मन संघ** में अपनी **स्थिति मजबूत करने की कोशिश** की।
- **बिस्मार्क** ने **डाइट** (संघ की संसद) **के जनवादी चुनावों पर जो**र दिया।
- **ऑस्ट्रिया की योजनाओं को विफल** कर दिया।
  - **एकीकरण का दूसरा युद्ध, 1866** (ऑस्ट्रो-प्रशिया युद्ध)।
  - **प्राग की संधि** और **जर्मनी का गठन**
- **1866**: ऑस्ट्रिया और प्रशिया के बीच '**प्राग की संधि' ।**
  - **ऑस्ट्रिया को जर्मनी से निष्कासित** कर दिया गया।
- **फ्रांस की ओर रुख** किया
  - **फ्रेंको-प्रुशियन युद्ध** में **फ्रांस** की **हार** हुई।
  - **दक्षिणी जर्मन राज्यों** ने **प्रशिया का समर्थन** किया ।
  - इस गठबंधन के कारण **जर्मनी का एकीकरण** हुआ।
- **जर्मनी का एकीकरण** एक घटना नहीं बल्कि **चरणों में** हुई एक प्रक्रिया थी।
  - यूरोप के **राजनीतिक परिदृश्य को बदल दिया।**

इटली का एकीकरण

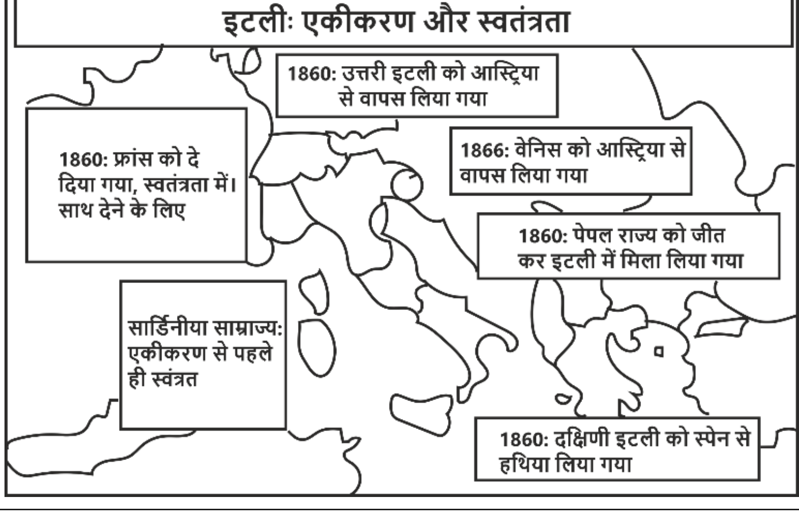

- जर्मनी की तरह **इटली** भी **राजनीतिक रूप से विभाजित** था।
- **इतालवी प्रायद्वीप** कभी **एक शासन के तहत एकजुट नहीं** हुआ था।
- **1815**: **वियना कांग्रेस** से **एकीकरण** की प्रक्रिया **शुरू** हुई
  - **1871**: एकीकरण की प्रक्रिया पूरी हुई, रोम इटली साम्राज्य की राजधानी बना।
- **इटली का एकीकरण:** दो चरणों की प्रक्रिया।
  - **पहला चरण**: ऑस्ट्रिया से आजादी हासिल करने की कोशिश की।
  - **दूसरा चरण**: स्वतंत्र इतालवी राज्यों को एक इकाई में एकजुट किया।
- **मेत्सिनी और गैरीबाल्डी** - क्रांतिकारियों ने इस प्रक्रिया में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।
- **ऑस्ट्रिया** ने **इटली के उत्तरी भाग पर कब्ज़ा** कर लिया।
  - ऑस्ट्रिया के **हैब्सबर्ग परिवार** ने **पर्मा**, **मोडेना** और **टस्कनी की डची पर शासन** किया।
- **दक्षिण में -** सिसिली और नेपल्स का साम्राज्य - बॉर्बन राजवंश के अधीन।
- **मध्य इटली** - पोप के अधिकार में।
- इटालियन लोगो ने अभी तक **राष्ट्रीय चेतना की पूर्ण भावना विकसित नहीं** की थी।
  - **विभिन्न क्षेत्रों** की अपनी अलग **परंपराएं** थीं
  - **ईर्ष्या को जन्म** दिया जिसने राष्ट्रीय विकास में बाधा उत्पन्न की।

इतिहासकार और राजनेता **मेटरनिख ने लिखा है** कि 'इटली में, प्रांत प्रांतों के खिलाफ थे, क़स्बे कस्बों के खिलाफ थे, परिवार परिवारों के खिलाफ थे और पुरुष पुरुषों के खिलाफ थे'।

- **1820 के दशक के दौरान -** कार्बोनरी गुप्त समिति ने पालेर्मो और नेपल्स में विद्रोहों को संगठित करने का प्रयास किया; **कम सफलता** मिली क्योंकि:
  - **कार्बोनरी के पास किसानों का समर्थन नहीं** था।
- **यंग इटली (1831):** ज्युसेपे मेत्सिनी द्वारा एक राष्ट्रीय क्रांतिकारी आंदोलन।
  - मेत्सिनी ने एक संयुक्त गणराज्य का समर्थन किया।
- **1846 में चुने गए नए पोप -** पायस IX ने पोप राज्यों में सुधारों का वादा किया।
- अन्य **इतालवी राजकुमारों ने कुछ उदारवादी सुधार** किए
  - जिनका इरादा **क्रांतिकारी आंदोलनों को कमजोर करने का** था
- लेकिन इन सुधारों ने **1848 में सिसिली, नेपल्स, रोम, फ्लोरेंस, मिलान, वेनिस और ट्यूरिन में क्रांति** ला दी।

इटली में 1848 की क्रांतियाँ

- **पहला विद्रोह**: सिसिली साम्राज्य में
  - पूरे राज्य के लिए एक **संविधान का निर्माण** ।
- **रोम में विद्रोह:** पोप पायस IX को रोम से भागने के लिए मजबूर किया
  - **गणतंत्र** घोषित किया गया।
- **सार्डिनिया के राजा चार्ल्स अल्बर्ट** ने उत्तरी इटली से **ऑस्ट्रियाई लोगों को भगाने के लिए लोम्बार्डी पर हमला** किया।
  - ऑस्ट्रियाई लोगों ने **चार्ल्स अल्बर्ट को हराया**
- **ज्युसेपे गैरीबाल्डी:** एक क्रांतिकारी नेता; फ्रांस के खिलाफ रोम की रक्षा नहीं कर सका
- ऑस्ट्रियाई सेना ने **इटली पर आक्रमण किया**
  - **वेनिस** और **मिलान** में **विद्रोहों का दमन** किया।
- केवल **सार्डिनिया** में, **विक्तर एमानुएल द्वितीय** - पीडमोंट के राजा ने, हार नही मानी
  - **उदारवादी संवैधानिक सरकार**

कावूर और इटली के एकीकरण में अंतिम चरण, 1852-1870

- **1852** में **कावूर सार्डिनिया-पीडमोंट के प्रधान मंत्री** बने।
  - **सार्डिनिया-पीडमोंट का रूपांतरण** शुरू किया
  - **मुक्त व्यापार मॉडल** पर अर्थव्यवस्था का विकास ।
  - **देश संवैधानिक राजतंत्र** बन गया
  - **उदारवादी सुधार** लाये गए।
- उन्होंने **राजनयिक कौशल का उपयोग** करके इटली को **राजनीतिक रूप से एकीकृत** किया।
- **प्लोम्बियर्स का गुप्त समझौता**
  - **सम्राट नेपोलियन III** को गुप्त रूप से ऑस्ट्रिया के खिलाफ युद्ध की योजना बनाने के लिए राजी किया।
- **1859 की शुरुआत** में, **कावूर** ने **ऑस्ट्रियाई लोगों को उकसाया**
  - उन्होंने **पीडमोंटी निरस्त्रीकरण की मांग** करते हुए **कावूर को अल्टीमेटम भेजा।**
  - **कावूर** ने इसे **खारिज** कर दिया
  - **ऑस्ट्रियाई लोगों** ने **युद्ध की घोषणा की।**
  - फ्रांसिसी लोगो ने **पीडमोंट के लोगो की मदद की**
  - **दो प्रमुख लड़ाइयों** में **ऑस्ट्रियाई हार गए।**
  - ऑस्ट्रियाई लोगों ने **लोम्बार्डी को नेपोलियन III को सौंप दिया**
    - इसे **विक्तर एमानुएल द्वितीय को** सौंप दिया।
- **1859-1860 चुनाव:** सभी उत्तरी राज्यों ने सार्डिनिया साम्राज्य में शामिल होने के लिए मतदान किया।
- **नेपोलियन III** ने **ऑस्ट्रिया के साथ** अलग **शांति संधि संपन्न** की (विलफ्रांका की संधि)
- **कावूर** ने **अकेले ऑस्ट्रिया** के **खिलाफ युद्ध जारी रखा।**

ज्यूसप गैरीबाल्डी (1807-82) - इतालवी राष्ट्रीय नायक।

- **1860** - हजारो "रेड शर्ट्स" (देशभक्त स्वयंसेवकों की एक सेना) के साथ आया
- **सिसिली** और **नेपल्स** को **बॉर्बन राजवंश से मुक्त** कराया।
- **1861** में **पहली इतालवी संसदीय बैठक** हुई
    - विक्तर एमानुएल को एक संयुक्त इटली का पहला राजा घोषित किया।
- लेकिन **नया इतालवी साम्राज्य** अभी भी रोम के बिना था - जिस पर पोप का शासन था
    - **वेनेशिया** - ऑस्ट्रियाई लोगों द्वारा नियंत्रित।
- **1866 में वेनेशिया इटली के साथ** जुड़ गया
    - जब **सात सप्ताह के युद्ध** में **प्रशिया ने ऑस्ट्रिया को हराया** था।
- **1870 में फ्रेंको-प्रशिया युद्ध के दौरान**
    - **नेपोलियन III** को **रोम से अपनी सेना वापस लेनी पड़ी**।
    - इटली की सरकार ने **पोप से रोम वापस लेने के लिए सेना भेजी।**
- रोमन नागरिकों ने **इटली के साथ जुड़ने के लिए मतदान किया**
- रोम को **1871 में इटली की नई राजधानी घोषित** किया गया ।

Toppersnotes
Unleash the topper in you

2
CHAPTER

फ्रांस की क्रांति

- यह आधुनिक यूरोपीय इतिहास में एक निर्णायक घटना है जिसने **एक तर्कसंगत और समतावादी समाज का निर्माण किया।**
- दुनिया को **स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व का सन्देश** दिया।
- यह फ्रांस और उसके **उपनिवेशों में सामाजिक और राजनीतिक उथल-पुथल का समय** था।
- उदारवादी और कट्टरपंथी विचारों ने **राजशाही को उखाड़ फेंका** और यूरोप के अन्य हिस्सों में पूर्ण राजशाही के पतन को प्रभावित किया।
- यही वह क्रांति थी जिसके कारण **नेपोलियन बोनापार्ट का भी उदय हुआ।**

पृष्ठभूमि

- **1776 की अमेरिकी क्रांति में फ्रांसीसी भागीदारी बहुत महँगी पड़ी** और उसने **देश** को लगभग **दिवालिया** होने की स्थिति पर ला कर खड़ा कर दिया।
  - **किंग लुइ सोलहवें के फालतू खर्च ने शाही खजाने को खली कर दिया।**
- खाली शाही खजाने, खराब फसल और खाद्य कीमतों में वृद्धि ने **गरीब ग्रामीण और शहरी आबादी में असंतुष्टि की भावना पैदा** की।
  - कर लगाने से मामला और बिगड़ गया।
  - परिणामस्वरूप दंगे, लूटपाट और हड़तालें आम हो गयी।
- **1786 के अंत में, नियंत्रक जनरल, चार्ल्स एलेक्जेंडर डी कैलोन द्वारा एक सार्वभौमिक भूमि कर प्रस्तावित** किया गया था।
  - यह कर सुधार अब **पादरियों और कुलीनों जैसे विशेषाधिकार प्राप्त वर्गों को** पूर्व की भांति **कोई छूट नहीं** देता था।
- **एस्टेट्स-जनरल सभा** जो फ्रांसीसी कुलीन पादरियों और मध्यम वर्ग का प्रतिनिधित्व करती थी को आखिरी बार 1614 में बुलाया गया था।
- बैठक की तिथि 5 मई, 1789 निर्धारित की गई, जहां **तीनों वर्गों की शिकायतों को राजा के सामने प्रस्तुत किया जाना था।**

फ्रांसीसी क्रांति के कारण

राजनीतिक कारक

- फ्रांस के राजा **लुई सोलहवें एक निरंकुश और कमजोर** राजा थे जिन्होंने विलासिता में जीवन व्यतीत किया।
  - इससे **जनता में मोहभंग** हो गया जो अत्यधिक गरीबी और व्यापक भूखमरी का जीवन व्यतीत कर रहे थे।

सामाजिक परिस्थिति

- **पादरी और कुलीन वर्ग द्वारा** गठित पहले दो एस्टेट को **किसी भी राज्य कर का भुगतान करने की आवश्यकता नहीं** थी।

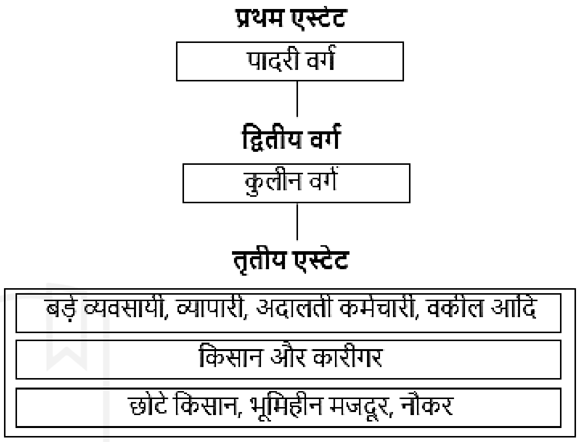

- अधिकांश आबादी **किसानों और मजदूरों से बनी** थी, जिसे **तृतीय एस्टेट** के रूप में जाना जाता था।
  - **वे उच्च करों के अधीन** थे और उनके पास **राजनीतिक और सामाजिक अधिकारों का अभाव** था। नतीजतन, वे वास्तव में **असंतुष्ट** थे।

दार्शनिकों और विचारकों का प्रभाव

फ्रांसीसी क्रांति के फैलने में दार्शनिकों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

- **मॉन्टेस्क्यू**
  - अपनी प्रसिद्ध **पुस्तक "स्पिरिट ऑफ लॉज" में सत्ता के पृथक्करण की वकालत** की।
  - उनकी प्रसिद्ध पुस्तकों में **'फारसी पत्र' ने अमीरों के भ्रष्टाचार पर चर्चा** की।
  - उनके विचारों ने **फ्रांसीसियों को बहुत प्रेरित** किया।
- **वॉल्टेयर**
  - अपनी पुस्तक **"लेटर्स ऑन द इंग्लिश" में दोषपूर्ण प्रशासनिक व्यवस्था, समाज के अंधविश्वास और तत्कालीन फ्रांस का धर्म का विरोध** किया।
  - पुस्तक **"ट्रिटीज़ ऑफ़ टॉलरेंस" में चर्च को अंधविश्वासों का अड्डा और कट्टरता का स्मारक कहा है**
  - **समाज की प्रचलित त्रुटियों का विरोध** किया।

- **सर्वज्ञानी**
  - उनके विचारों ने क्रांति को प्रेरित किया।
  - **उदाहरण:** एलेम्बर्ट, हेल्वेटियस, होपबैक और डेनिस डाइडरोट।
- **फिजियोक्रेट्स**
  - "**मुक्त व्यापार** नीति" का प्रचार किया।
  - **श्रम अधिकारों के लिए बहस** की।

तत्काल कारक

- **फ्रांस में आर्थिक संकट** लुई XIV की अवधि के दौरान शुरू हुआ, जिससे लुई सोलहवें के शासन के दौरान अनियंत्रित स्थिति पैदा हो गई।
  - फ्रांस दिवालियेपन की कगार पर खड़ा था।
  - लुई ने वित्तीय स्थिति में सुधार के लिए कई परियोजनाओं की शुरुआत की लेकिन उन्हें अधूरा छोड़ दिया।
  - एक-एक कर वित्त मंत्री बदले।
  - अंत में, राजा को एस्टेट्स जनरल का अधिवेशन बुलाना पड़ा।
    - पहला सत्र: 7 मई 1789।

इस प्रकार फ्रांसीसी क्रांति प्रस्फुटित हुई।

फ्रांसीसी क्रांति के चरण

चरण 1: 1789 की क्रांति (1789-1792)

- पहला चरण **राजशाही और अभिजात वर्ग के बीच संघर्ष** के कारण शुरू हुआ।
- **लुई सोलहवें को सरकार के कर्ज का भुगतान करने के लिए करों को बढ़ाने की जरूरत** थी।
  - **अभिजात वर्ग ने इनकार कर दिया** और मांग की कि कर एकत्र किया जाना चाहिए या नहीं यह निर्धारित करने के लिए **एस्टेट्स-जनरल को बुलाया** जाना चाहिए।
    - **अभिजात वर्ग का मानना था कि कर पराजित हो जाएगा।**
- **1789** की गर्मियों के दौरान जब एस्टेट्स-जनरल **वर्साय में मिले, तो तृतीय वर्ग अलग** हो गया।
  - इसके सदस्य, जो मुख्य रूप से उच्च-मध्यम वर्ग (बुर्जुआ वर्ग) से थे, ने महसूस किया कि उनका **पर्याप्त प्रतिनिधित्व नहीं** था।
  - **उन्होंने मतदान और अधिक प्रतिनिधित्व की मांग** की।
- अलग होने पर, उन्होंने **नेशनल असेंबली** (जो बाद में राष्ट्रीय संविधान सभा बन गई) **का गठन** किया।
  - नेशनल असेंबली ने **एक लिखित संविधान की मांग** की।
- लुई ने शुरू में **नए सरकारी निकाय को स्वीकार करने से इनकार** कर दिया।
  - हालाँकि, दोनों **शहरों और ग्रामीण इलाकों में जन विद्रोह के कारण अंततः राष्ट्रीय संविधान सभा को स्वीकार कर लिया।**
- राष्ट्रीय संविधान सभा को मान्यता मिलने के बाद **फ्रांस का पुनर्गठन किया** गया।
  - **1791 के संविधान ने एक संवैधानिक राजतंत्र बनाया।**

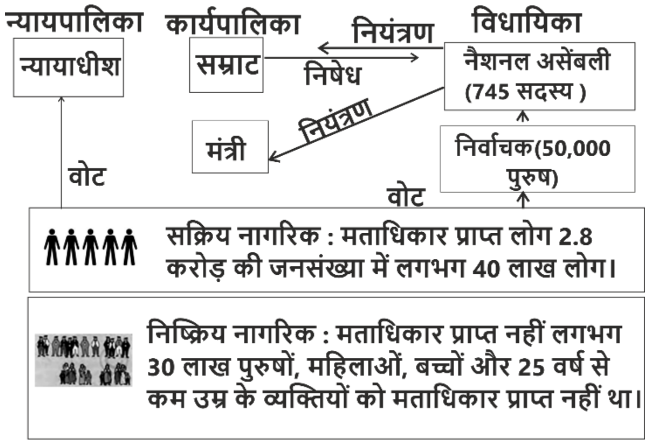

  - **नए विधायी निकाय, विधान सभा का गठन हुआ।**
  - **कार्यकारी शक्तियाँ राजा में निहित थी।**
    - लुई सोलहवें के पास बहुत कम शक्ति थी।
- **संविधान 'पुरुष एवं नागरिक अधिकार घोषणापत्र' के साथ शुरू हुआ था।**
- **जीवन के अधिकार, अभिव्यक्ति की स्वतंत्राता के अधिकार और कानूनी बराबरी के अधिकार को 'नैसर्गिक एवं अहरणीय' अधिकार के रूप में स्थापित किया गया।**

सरकारी निकाय

- **एस्टेट्स जेनराल:** थर्ड एस्टेट के टूटने के बाद अस्तित्व समाप्त हो गया
- **राष्ट्रीय संविधान सभा:** प्रारंभ में इसे नेशनल असेंबली कहा जाता था
  - तृतीय एस्टेट से बना था
  - फ्रांस के पुनर्गठन के बाद अस्तित्व समाप्त हो गया
- **विधान सभा:** नई संवैधानिक राजशाही का विधायी निकाय
  - सदस्यों के पास एक निश्चित मात्रा में संपत्ति होनी चाहिए
  - एक संक्षिप्त अस्तित्व था (1791-1792)

राजनीतिक गुट

- **अभिजात वर्ग:** रूढ़िवादियों ने राष्ट्रीय संविधान सभा में शामिल होने से इनकार कर दिया और एक पूर्ण राजशाही का समर्थन किया।
  - उदारवादियों ने राष्ट्रीय संविधान सभा का पक्ष लिया
- **पादरी:** पादरी वर्ग के नागरिक संविधान के तहत, सभी बिशप और पुजारी राज्य के कर्मचारी बन गए
- **मध्यम वर्ग (पूंजीपति वर्ग):** नई सरकार में जिनके के पास संपत्ति थी केवल उन्हीं के पास राजनीतिक शक्ति थी।

- **जनसाधारण :** क्रांति के दौरान सत्ता के लिए होड़ कर रहे विभिन्न राजनीतिक समूहों का एक उपकरण बन गई और लुई सोलहवें को राष्ट्रीय संविधान सभा को स्वीकार करने के लिए मजबूर किया।

महत्वपूर्ण घटनाएँ

- **टेनिस कोर्ट शपथ**
    - नेशनल असेंबली वर्साय में एक टेनिस कोर्ट पर मिली और **जब तक राजा एक लिखित संविधान को स्वीकार करने के लिए सहमत नहीं हो गया, तब तक जाने से इनकार कर दिया**
    - **मनुष्य और नागरिक के अधिकारों की घोषणा**
    - घोषित किया कि सभी फ्रांसीसी नागरिक समान हैं और समान कानूनों के अधीन हैं

चरण 2: फ्रांसीसी क्रांति का प्रारम्भ

- **वर्साय में नेशनल असेंबली की बैठक जारी** थी तभी **जनसाधारण के विद्रोह** से उत्पन्न भय और हिंसा ने पेरिस को भस्म कर दिया था।
- विद्रोह के परिणामस्वरूप 14 जुलाई, 1789 को **बास्तील किले पर कब्जा** कर लिया गया।
- इस घटना ने **फ्रांसीसी क्रांति की शुरुआत** हुई।
- यह क्रांति पूरे देश में फैल गई, किसानों ने विद्रोह कर दिया और **कर संग्रहकर्ताओं और कुलीनों के घर जला दिए;** देश के रईसों को सामूहिक रूप से भागने पर मजबूर दिया।
- यह अवधि **भय की लहर** के रूप में जानी जाती है
- **नेशनल असेंबली ने अंततः 4 अगस्त, 1789 को सामंतवाद को समाप्त** करने का आदेश दे दिया।

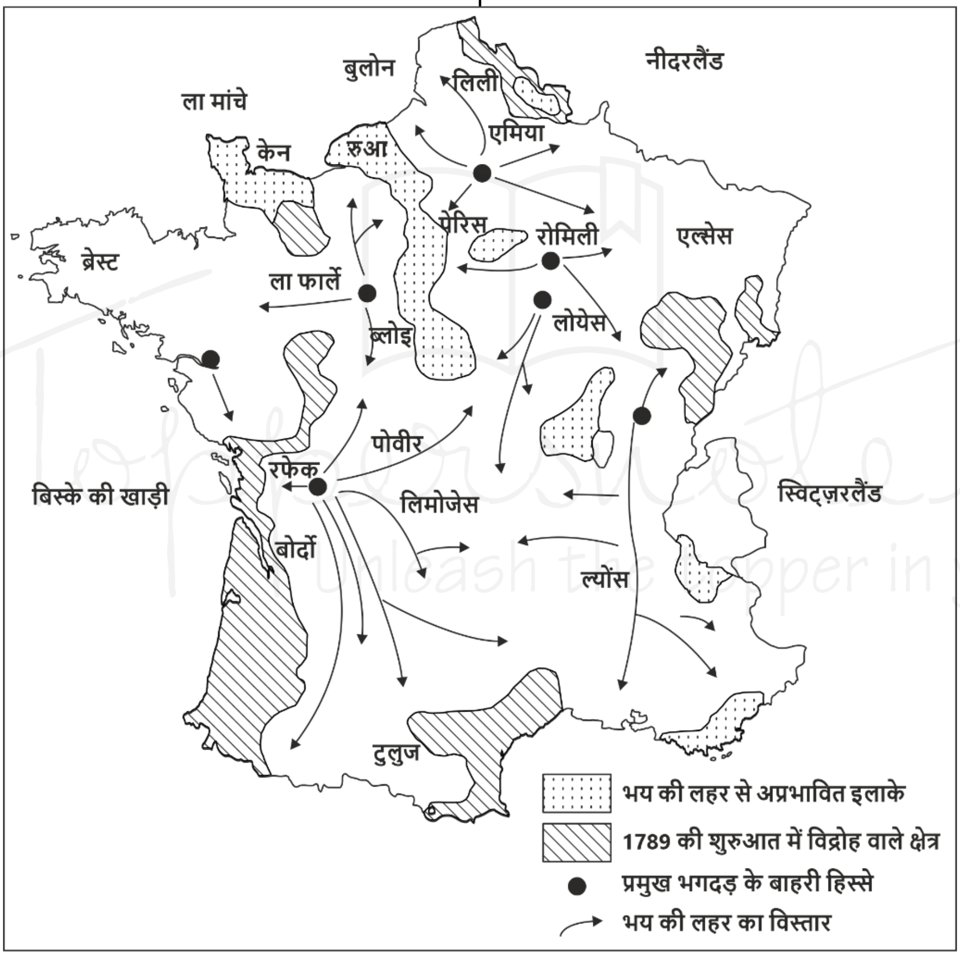

चित्र – भय की लहर का प्रसार

मानचित्र से पता चलता हैं कि किस तरह किसानो के जत्थे एक जगह से दूसरी जगह फैलते चले गये।

चरण 3: अधिकारों की घोषणा

- **नेशनल असेंबली ने 4 अगस्त, 1789 को नागरिक के अधिकारों को अपनाया।**
    - ये अधिकार **लोकतांत्रिक सिद्धांतों पर आधारित** थे तथा रूसो जैसे प्रबोधन विचारकों के विचारों से प्रेरित थे।
    - **यह घोषणा 26 अगस्त, 1789 को प्रकाशित** हुई थी।
- **3 सितंबर, 1791 को संविधान को अपनाया गया** था।
    - **एक नए फ्रांसीसी समाज का गठन** हुआ जहां राजा के पास सीमित शक्तियां थी
        - गोएर्जेस डेंटन और मैक्सिमिलियन डी रोबेस्प्येर ने सरकार के गणतंत्रात्मक रूप की मांग की।
- 3 सितंबर, 1791 को फ्रांसीसी संविधान को अपनाया गया था।

चरण 4: आतंक का शासन

- क्रांति ने क्रांतिकारी मोड़ लिया जब **विद्रोहियों के समूह ने पेरिस में शाही निवास पर हमला किया और 10 अगस्त, 1792 को लुई सोलहवें को गिरफ्तार कर लिया**।
    - पेरिस में 'क्रांति के विरुद्ध' होने के कारण कई लोगों की हत्या कर दी गई।
- **विधान सभा को नेशनल कन्वेंशन द्वारा प्रतिस्थापित** किया गया
- **फ्रांस गणराज्य की स्थापना और राजशाही के उन्मूलन की घोषणा** की गयी।
- **21 जनवरी, 1793 को किंग लुई सोलहवें को मौत की सजा** दी गई और राजद्रोह के लिए फांसी दी गई।
    - राजा के निष्पादन ने फ्रांसीसी क्रांति के सबसे हिंसक और अशांत चरण को प्रारम्भ किया।
- **नेशनल कन्वेंशन - रोबेस्पियर के नेतृत्व में एक चरमपंथी गुट के नियंत्रण में** था।
    - उसके तहत, हजारों को संदिग्ध राजद्रोह और क्रांतिकारी गतिविधियों के लिए मार डाला गया था।
- **28 जुलाई, 1794 को रोबेस्पियर के निष्पादन के साथ आतंक का शासन समाप्त** हो गया।
    - **रोबेस्पियर** की मृत्यु से एक **मध्यम चरण की शुरुआत हुई**, जिसके दौरान फ्रांस के लोगों ने आतंक के शासन के दौरान की गई ज्यादतियों के खिलाफ विद्रोह किया।
        - इसे **थर्मिडोरियन प्रतिक्रिया** के रूप में जाना जाता था।

चरण 5 - फ्रांसीसी क्रांति का अंत

- 22 अगस्त, 1795 को नेशनल कन्वेंशन नरमपंथियों से बना था।
- **एक नए संविधान के निर्माण** को मंजूरी दी जिसने **फ्रांस की द्विसदनीय विधायिका का निर्माण** किया।
- **डिरेक्ट्री** (संसद द्वारा नियुक्त पांच सदस्यीय समूह) **के हाथों में शक्ति** दे दी गयी।
- एक आगामी और सफल जनरल, **नेपोलियन बोनापार्ट के नेतृत्व में सेना** के प्रयासों से इस समूह के किसी भी विरोध को दूर किया गया।
    - डिरेक्ट्री के शासन को वित्तीय संकट और भ्रष्टाचार द्वारा चिह्नित किया गया था।
    - उन्होंने अपना अधिकांश अधिकार सेना को सौंप दिया जिसने उन्हें सत्ता में बने रहने में मदद की थी।
- **डायरेक्टरी के खिलाफ नाराजगी**
    - **तख्तापलट का मंचन स्वयं नेपोलियन ने किया** था, जिससे उन्हें सत्ता से हटा दिया गया था।
    - **नेपोलियन ने खुद को "पहला काउंसिल" नियुक्त किया**।
- फ्रांसीसी क्रांति समाप्त हो हुई और नेपोलियन युग प्रारम्भ हुआ।

फ्रांसीसी क्रांति में महिलाओं की भूमिका

क्रांति से पूर्व	• तृतीय एस्टेट में महिलाओं को सम्मिलित किया जाता था • शिक्षा या प्रशिक्षण तक उनकी पहुंच नहीं थी। • महिलाओं को पुरुषों की तुलना में कम मजदूरी मिलती थी। • ज्यादातर गृहणियां थीं जो घर के सारे काम, बच्चों की देखभाल आदि के लिए उत्तरदायी थीं
क्रांति के समय	• महिलाओं ने क्रांतिकारी गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाई। • अपने स्वयं के क्लब और समाचार पत्र शुरू किए जैसे: रिवोल्यूशनरी और रिपब्लिकन वीमेन सोसाइटी • 1791 का संविधान: महिलाओं को निष्क्रिय नागरिक के रूप में नामित किया गया। इस समाज ने पुरुषों के समान राजनीतिक अधिकारों की मांग की।
क्रांति के बाद	• प्रारंभिक क्रांतिकारी सरकारों ने कई कानून पेश किए जिससे समाज में महिलाओं के जीवन और स्थिति में सुधार हुआ। • लड़कियों के लिए स्कूल बनाए गए तथा सभी लड़कियों के लिए शिक्षा अनिवार्य कर दी गई। • लड़कियों की सहमति के बिना शादी को अवैध बना दिया गया था और तलाक को कानूनी बना दिया गया। • महिलाओं को भी कारीगर बनने और छोटे व्यवसाय चलाने की अनुमति थी।

फ्रांसीसी क्रांति का प्रभाव

सकारात्मक प्रभाव

- **मध्यम वर्ग का उदय**
    - क्रांति ने सामाजिक भेदभावपूर्ण वर्ग व्यवस्था को नष्ट कर दिया
    - नियुक्ति और पदोन्नति प्रतिभा और योग्यता के आधार पर हो इसके लिए मार्ग प्रशस्त किया।
- **नेपोलियन बोनापार्ट का उदय**
    - क्रांति ने नेपोलियन बोनापार्ट के सत्ता में आने में योगदान दिया
    - इसने सामूहिक वर्ग व्यवस्था को नष्ट कर दिया और नेपोलियन जैसे प्रतिभाशाली किसानों के लिए अवसर उपलब्ध कराये।
- **मानव अधिकारों की घोषणा**
    - क्रांति के परिणामस्वरूप नागरिकों के अधिकारों की घोषणा की गयी।

- संवैधानिक सभा/संसद मानव अधिकारों के दस्तावेज के साथ सामने आए।
- इसने राजनीतिक स्वतंत्रता प्रदान की, जैसे भाषण, प्रेस, संघ, पूजा और संपत्ति के स्वामित्व की स्वतंत्रता आदि।
- वे स्वतंत्रता की नींव बन गए।

- **क्रांतिकारी विचार**
  - स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व के क्रांतिकारी विचारों का जन्म हुआ।
  - ये विचार फ्रांस में शुरू हुए और इटली, जर्मन आदि जैसे अन्य क्षेत्रों में फैल गए।
  - इस तरह के विचारों ने समानता, स्वतंत्रता और लोकतंत्र और सुशासन को बढ़ावा दिया।
  - इसने फ्रांस को यूरोप में लोकतंत्र का पोषक बना दिया।
  - बूर्बों राजशाही के शासन को समाप्त किया
  - इसने सरकार को गणतंत्रात्मक बना दिया।
- **राजनीतिक दलों का उदय**
  - 1789 की फ्रांसीसी क्रांति के परिणामस्वरूप फ्रांस एक बहुदलीय राज्य बन गया।
  - संगठन की स्वतंत्रता ने राजनीतिक क्लबों जैसे कि जैकोबिन, कॉर्डेलियर्स, गिरोंडिन फॉविलेंट्स का उदय किया, जो सत्ता के लिए प्रतिस्पर्धा करते थे।
  - उन्होंने खराब नीतियों की आलोचना करके सरकार को नियंत्रण में रखा।
- **संसदीय लोकतंत्र**
  - क्रांति के कारण संसद का पुनरुद्धार हुआ।
  - इसने फ्रांस को एक कार्यात्मक संसद प्रदान की जिसमें प्रतिनिधि लोकतांत्रिक रूप से चुने गए।

नकारात्मक प्रभाव

जान और माल की हानि	• विशेष रूप से आतंक के काल में जानमाल की भारी क्षति और संपत्ति का विनाश हुआ। • कुलीनों और पादरियों का भारी नरसंहार हुआ। • कई महत्वपूर्ण जैसे: राजा लुई सोलहवें, रानी मैरी एंटोनेट, मुराटो, डेंटन, रोबेस्प्येर, आदि मारे गए।
आतंक के शासन की ओर अग्रसर	• मई 1789 में शांतिपूर्ण क्रांति हिंसक रूप में बदल गई और 1792-1794 तक फ्रांस में आतंक का शासन रहा। • कानून-व्यवस्था की पूरी तरह चरमराई गयी, भारी नरसंहार हुआ, प्रत्येक व्यक्ति, अपनी जान बचने के लिए, दूसरे व्यक्ति को मारने की होड़ में लग गया।
फ्रांस में आर्थिक गिरावट	• युद्ध के कारण आर्थिक गतिविधियों के स्तर में काफी गिरावट आई। • विशेषकर आतंक के काल में कृषि, व्यापार, औद्योगिक क्षेत्र, परिवहन और संचार में प्रगति में बाधा उत्पन्न हुई। • जिसके कारण बेरोजगारी, मुद्रास्फीति, गरीबी, भुखमरी और अकाल आदि में तीव्र वृद्धि देखी गयी।
चर्च और राज्य	• क्रांति से पहले, चर्च और राज्य अविभाज्य थे। परन्तु क्रांति के साथ चर्च और राज्य के बीच एक गंभीर संघर्ष शुरू हो गया। • अंत में नागरिक संविधान की घोषणा हुई तथा चर्च के विशेषादिकारों को समाप्त कर उनकी संपत्ति का राष्ट्रीयकरण कर दिया गया।
अन्य राज्यों के साथ संबंध	• फ्रांस और अन्य राज्यों के बीच संबंध खराब हुए। • फ्रांसीसी क्रांति के क्रांतिकारी विचार यूरोप में अन्य शक्तियों और सम्राटों के लिए बहुत बड़ा खतरा थे। • अपने देशों में क्रांतिकारी विचारों के प्रसार को रोकने के लिए ब्रिटेन, रूस, प्रशिया, ऑस्ट्रिया और अन्य देशों द्वारा फ्रांस के खिलाफ गठबंधन बना लिया।

विश्व पर फ्रांसीसी क्रांति का प्रभाव

- इसने **यूरोप के लगभग हर देश और दक्षिण और मध्य अमेरिका** में कई क्रांतिकारी आंदोलनों को प्रेरित किया।
- फ्रांसीसी क्रांति, क्रांति का एक उत्कृष्ट उदाहरण बन गई और कई देशों के लोगों के प्रेरणा का स्त्रोत बानी।
- यूरोप के अन्य देशों के साथ क्रांति के दौरान हुए युद्धों के परिणामस्वरूप कुछ समय के लिए **यूरोप के विशाल क्षेत्रों पर फ्रांस का आधिपत्य** स्थापित हो गया।
- फ्रांसीसी सैनिक जहाँ भी जाते थे, क्रांति के विचारों, **स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व**, को अपने साथ ले जाते थे।
- उनके आधिपत्य वाले क्षेत्रों में **प्रशासनिक विभाजनों का सरलीकरण, सामंती व्यवस्था का अंत और किसानों को भू-दासत्व और जागीरदारी शुल्कों से मुक्ति मिली**
- यूरोप में हर जगह फैले क्रांतिकारी आंदोलनों के प्रभाव से **18वीं शताब्दी की राजनीतिक और सामाजिक व्यवस्था** जल्द ही **यूरोप** के अधिकांश हिस्सों **में ख़त्म** हो गयी।

नेपोलियन का युग

- **अवधि:** 1799 से 1815 (नेपोलियन युग)।
- **नेपोलियन बोनापार्ट/नेपोलियन I:** फ्रांसीसी सेनापति जिन्होंने 19वीं शताब्दी में यूरोप के बड़े हिस्से पर विजय प्राप्त की।
  - वह विकट परिस्थितियों में अपनी सामरिक प्रतिभा और त्वरित सोच के लिए जाने जाते थे।

नेपोलियन का उदय

- **फ्रांसीसी क्रांति के दौरान** नेपोलियन बोनापार्ट का सैन्य कद बढ़ता रहा।
- वे **फ्रांसीसी क्रांति (1789-1799) की संतान** के रूप में जाने जाते है।
- 1793 में फ्रांसीसी क्रांतिकारी युद्धों में लड़ने के बाद **ब्रिगेडियर जनरल** के रूप में पदोन्नत हुए।
- 1795 में पेरिस जनाक्रोश से सरकार को बचाया।
- **कैंपो फॉर्मियो की संधि (1797):** उत्तरी **इटली में ऑस्ट्रियाई लोगों पर जीत के बाद** कैंपो फॉर्मियो की संधि की।
- **नील की लड़ाई (1798):** नील की लड़ाई (1798) में, उन्होंने **मिस्र (1798-99) पर अपना अधिकार** स्थापित करने की कोशिश की, लेकिन **अंग्रेजों से हार गए।**
- नेपोलियन को **पहला काउंसिल** नियुक्त किया गया था।
- **मारेंगो की लड़ाई(1800):** नेपोलियन के सैनिकों ने फ्रांस के दीर्घकालीन प्रतिद्वंद्वी **ऑस्ट्रिया को हराया।**
- **अमीन्स की संधि (1802): ब्रिटिश, फ्रांस के साथ शांति के लिए सहमत** हुए। (हालाँकि शांति केवल एक वर्ष तक ही चली)।

नेपोलियन बोनापार्ट का शासनकाल

- **नेपोलियन युद्ध:** 1803 से 1815 तक फ्रांस और विभिन्न यूरोपीय गठबंधनों के कई बीच प्रमुख द्वंद हुए।
- **लुइसियाना खरीद:** नेपोलियन ने भविष्य की लड़ाइयों के लिए धन जुटाने हेतु उत्तरी अमेरिका में **फ्रांस के लुइसियाना क्षेत्र को 1803 में नव-स्थापित संयुक्त राज्य अमेरिका को बेच दिया।**
- **ट्रफैलगर की लड़ाई:** अक्टूबर 1805
    - **अंग्रेजों ने नेपोलियन की नौसेना को हरा** दिया।
- **ऑस्टरलिट्ज़ की लड़ाई:** दिसंबर 1805 **नेपोलियन ने ऑस्ट्रिया और रूस को हरा** दिया।
    - इसके परिणामस्वरूप **रोमन साम्राज्य का विघटन एवं राइन परिसंघ का गठन** किया गया था।

नेपोलियन के सुधार

- विकास के लिए एक मंच बनाया जहां उन्होंने **समान न्याय, अधिकार और उन्नति के अवसर** दिए, लेकिन सारी **राजनीतिक शक्ति अपने हाथों में** रखी।

प्रशासनिक सुधार

- **स्थानीय सरकार पर केंद्रीय नियंत्रण में वृद्धि** हुई।
- कानून द्वारा **न्यायालयों को पूरी तरह से अपने नियंत्रण में** लाया गया।
- छोटे जिलों के **निर्वाचित निकायों को समाप्त कर दिया** गया तथा उनके स्थान पर **प्रीफेक्ट्स और सब-प्रीफेक्ट्स को प्रथम काउंसल द्वारा नियुक्त** किया जाना था।
- **प्रथम काउंसल को** 5000 की आबादी वाले शहरों के **मेयर चुनने का अधिकार** था।
- स्थानीय और केंद्र सरकार पेरिस में केंद्रीकृत थे

आर्थिक सुधार

- 1800 में **बैंक ऑफ फ्रांस की स्थापना** की। जिसने **व्यापार और वाणिज्य की सुविधा** प्रदान की।
- **कर संग्रह की एक प्रभावी प्रणाली** की शुरुआत की जिसने **फ्रांस में एक संतुलित बजट** बनाया।
- फ्रांस में उद्योग और व्यापार को प्रोत्साहित करने के लिए **व्यापारिक प्रथाओं को पुनर्जीवित** किया।
- एक **सुदृढ़ मुद्रा प्रणाली और सार्वजनिक ऋण** की स्थापना की।
- **किसानों पर लगाए गए करों को कम** किया।
- एक **स्वतंत्र कृषक समुदाय की स्थापना** की जो आगे जा कर फ्रांसीसी अर्थव्यवस्था की रीढ़ बने।
- **श्रमिकों को किसी भी प्रकार के गिल्ड या ट्रेड यूनियन बनाने की अनुमति नहीं** थी।
- सुधारों ने **कम कीमतों पर भोजन** उपलब्ध कराकर और **रोजगार में वृद्धि** करके देश की अर्थव्यवस्था को प्रेरित किया।

धार्मिक सुधार

- एक **राजनीतिक उत्तोलक के रूप में धर्म** के महत्व को स्वीकार कर उसका इस्तेमाल अपने फायदे के लिए किया।

> **नेपोलियन ने कहा:** "कोई भी समाज नैतिकता के बिना मौजूद नहीं हो सकता; धर्म के बिना नैतिकता अच्छी नहीं है। इसलिए, केवल धर्म ही राज्य को एक दृढ़ और टिकाऊ समर्थन देता है।"

- **कॉनकारडेट समझौता:** नेपोलियन ने **चर्च का समर्थन पाने के लिए अप्रैल 1801 में पोप पायस VII के साथ समझौता** किया। इसके अनुसार:
    - पोप ने क्रांति के शुरुआती दौर में **चर्च की संपत्ति की जब्ती और बिक्री को मान्यता दी।**
    - **पहले कौंसल ने बिशपों की नियुक्ति की** और बिशपों को पुजारियों की नियुक्ति करनी थी।
    - **सार्वजनिक रूप से कैथोलिक पूजा की अनुमति** थी।
    - **चर्च सेमिनार** फिर से प्रारम्भ कर दिए गए।
    - **कैथोलिक, प्रोटेस्टेंट और यहूदियों के लिए विस्तारित कानूनी सहिष्णुता लागू** की गयी।
    - **कॉनकारडेट ने क्रांतिकारी कैलेंडर को ईसाई कैलेंडर से बदल दिया।**
    - कॉनकारडेट ने नेपोलियन को काफी फायदा दिया।
    - इससे **पादरी राज्य के अधीन** हो गए।

शैक्षिक सुधार

- नेपोलियन ने **स्कूलों की एक विस्तृत प्रणाली** की **स्थापना** की, जिसे **लाइसी** (lycées) **कहा जाता है।**
- **शिक्षा** को **चार वर्गों में** वर्गीकृत किया - **प्राथमिक**, **माध्यमिक**, **तकनीकी** और **विश्वविद्यालय।**
- **फ्रांस में विश्वविद्यालय** की **स्थापना** की।
    - **प्रथम कौंसल** ने अपने **मुख्य अधिकारियों** को **नियुक्त** किया।
- **स्कूल** या **निजी शिक्षण** खोलने के लिए **विश्वविद्यालय से लाइसेंस प्राप्त करना आवश्यक** हो गया।

- शिक्षा, **कैथोलिक चर्च के अनुरूप** और **राज्य और प्रथम कौंसल के प्रति वफादार** थी।
- निजी शिक्षा को बढ़ावा नहीं देना चाहते थे।
    - देश के लिए **शिक्षा की एक नियमित प्रणाली** को बनाए रखा।
    - प्रत्येक **कम्यून को प्राथमिक विद्यालय** बनाना था जिनके **प्रबंधन के लिए प्रीफेक्ट जिम्मेदार** थे।
- सभी महत्वपूर्ण नगरों में **व्याकरण विद्यालय** खोले गए।
- **तकनीकी विद्यालयों की स्थापना** की गई।
- उन्होंने शिक्षा को **चार वर्गों में वर्गीकृत** किया; प्राथमिक, माध्यमिक, तकनीकी और विश्वविद्यालय।

न्यायिक सुधार

- **क्रांति से पहले फ्रांस** की **न्यायिक प्रणाली** में कोई **एकरूपता नहीं** थी
- नेपोलियन ने **देश की कानूनी व्यवस्था का पुनर्निर्माण** किया।
- **1804** में एक **नागरिक संहिता** लाई गई थी जिसे **नेपोलियन संहिता भी कहा जाता** है
- इसके **अंतर्गत विभिन्न कोड** अपनाए गए: सिविल प्रक्रिया, आपराधिक प्रक्रिया संहिता, दंड संहिता और वाणिज्यिक संहिता, आदि।
- कानूनों ने **नागरिक समानता**, **धार्मिक सहिष्णुता**, **उत्तराधिकार** की **समानता** और **न्यायपीठ द्वारा मुकदमे की गारंटी** दी।

लोक निर्माण

- कई **सड़कों, पुलों, बांधों का निर्माण** किया गया।
- **पुलों** और **नहरों का निर्माण** किया।
- **टौलॉन** जैसे कुछ **महत्वपूर्ण बंदरगाहों को बड़ा** और **मजबूत किया गया** था।
- इन सुधारों के परिणामस्वरूप **नेपोलियन बोनापार्ट को "आधुनिक फ्रांस का निर्माता"** भी **कहा जाता** है।

लीजन ऑफ ऑनर/सैन्य सम्मान

- **नेपोलियन द्वारा स्थापित** किया गया।
- इसका **उद्देश्य राज्य की उत्कृष्ट सेवा करने वालों को सम्मानित** और **पुरस्कृत करना** था।
- सदस्यों को उनकी **योग्यता के आधार पर नियुक्त** किया गया था।

नेपोलियन सुधारों की कमियां

- **महिलाओं को पुरुषों के बराबर का दर्जा नहीं** दिया गया।
- **महिलाएं** और **बच्चे** अपने **पति** और **पिता पर निर्भर** थे।
- **तलाक लेना** बहुत **कठिन** था।
- **महिलाएं संपत्ति खरीद** या **बेच नहीं सकती** थीं।
- **पत्नियों द्वारा** अर्जित **आय** उनके **पतियों के पास** जाती थी।
- **श्रमिकों को ट्रेड यूनियन बनाने की अनुमति नहीं** थी।
- **भाई-भतीजावाद की पुनः स्थापना:** अपने रिश्तेदारों को राष्ट्रों के सिंहासन पर बिठाया।

नेपोलियन की विदेश नीति

- **नेपोलियन फ्रांस को** यूरोप में एक **प्रमुख शक्ति बनाने के लिए दृढ़** था।
- एक **सक्रिय विदेश नीति** का पालन करते हुए वे कई **सैन्य युद्धों में शामिल** हुए।
- 1811 तक एक **व्यापक फ्रांसीसी साम्राज्य को तराशने में सफल** रहा।

नेपोलियन के खिलाफ द्वितीय गुट (1799-1801)

- नेपोलियन द्वारा **सत्ता ग्रहण करने से अन्य यूरोपीय शक्तियों को** बड़ी **चिंता** हुई।
- फ्रांस के खिलाफ **द्वितीय गठबंधन** बनाया गया था।
- **नेपोलियन** ने **ऑस्ट्रिया को हराया।**
- 1801: **लेनविल की संधि** पर हस्ताक्षर किए गए।

तृतीय गुट और नेपोलियन: 1805-1807

- **1803**: नेपोलियन ने **ग्रेट ब्रिटेन पर आक्रमण करने की तैयारी** शुरू की।
- **1805**: **ऑस्ट्रिया ने ब्रिटेन के साथ गठबंधन** पर हस्ताक्षर किए।
- **नेपोलियन की इटली की विजय** ने **रूस** और **ऑस्ट्रिया** को आश्वस्त किया कि **नेपोलियन शक्ति संतुलन** के लिए **खतरा** था।

ट्रैफलगर की लड़ाई

- **21 अक्टूबर, 1805 को शुरू हुई** यह लड़ाई फ्रांस और इंग्लैंड के बीच लड़ी गई थी।
- **फ्रांसीसी** और **स्पेनिश बेड़े ब्रिटिश नौसेना द्वारा नष्ट** कर दिए गए थे तथा एक सदी से अधिक समय तक **ब्रिटिश नौसेना का वर्चस्व स्थापित** हो गया।
- **ट्रैफलगर में हार के बाद नेपोलियन** ने **नौसैनिक युद्ध में इंग्लैंड से लड़ने की अपनी योजना छोड़ दी।**
- **ब्रिटिश अर्थव्यवस्था को पंगु** बनाने के लिए **महाद्वीपीय व्यवस्था** को अपनाया गया।

ऑस्टरलिट्ज़ की लड़ाई, दिसंबर, 1805 (मोराविया)

- नेपोलियन ने **रूस और ऑस्ट्रिया की संयुक्त सेना को हराया**
- ऑस्ट्रिया ने **शांति के बदले में बड़े क्षेत्रीय नुकसान को स्वीकार** किया।
- **ऑस्ट्रिया** ने **प्रेस बर्ग समझौते पर हस्ताक्षर** किए।
- इसने **नेपोलियन को एक किंग मेकर** (राजा निर्माता) **के रूप में स्थापित** कर दिया
- **फ्रांसिसी फ़ौजों ने रूसी-ऑस्ट्रियाई मिश्रित फ़ौज को** भारी **पराजय** दी, जो तीसरे गुट से बर्दाश्त न हो पाई और यह गुट टूट गया।
- **नेपोलियन** अब **पश्चिमी** और **मध्य यूरोप** का **स्वामी** बन गया
- अपनी विजय के उपलक्ष्य में, **नेपोलियन ने 1806 में आर्क डी ट्रायम्फ की स्थापना** की।

रूस के साथ युद्ध

- **नेपोलियन** ने **रूस पर आक्रमण** किया परन्तु वह **अनिर्णायक** रहा।
- **फ्राइडलैंड युद्ध** में **रूस की पराजय** हुई।
- इसके **परिणामस्वरूप 1807** में **तिलसिट की संधि** हुई।

महाद्वीपीय प्रणाली

- **1805 में ट्रैफलगर की लड़ाई में हार के बाद, नेपोलियन** ने **अंग्रेजों के खिलाफ आर्थिक युद्ध** छेड़ने का **फैसला** किया।
- ब्रिटेन को **घुटनों पर लाने की उनकी योजना को महाद्वीपीय व्यवस्था** कहा गया।
- **ब्रिटेन यूरोप का विनिर्माण** और **व्यापार केंद्र** था, नेपोलियन का मानना था कि उसके नियंत्रण में यूरोपीय देशों पर ब्रिटेन के साथ व्यापार पर प्रतिबंध लगाने से मुद्रास्फीति और कर्ज होगा जो ब्रिटिश अर्थव्यवस्था को कमजोर करेगा।
- **महाद्वीपीय प्रणाली: एक बड़ी विफलता**
    - यूरोप में **नेपोलियन के शासन के लिए व्यापक विरोध का कारण** बना।
    - यूरोप में **अमेरिका से आयात की मांग बहुत अधिक** थी।
    - **यूरोपीय उद्योग** ब्रिटेन के **औद्योगिक उत्पादन की बराबरी** नहीं कर सके।
    - **रेलमार्ग** के **बिना महाद्वीपीय प्रणाली** को **बनाए रखना असंभव** था।

स्पेन के साथ युद्ध

- **नेपोलियन का मानना था** कि **स्पेन** को अपने **नियंत्रण** में लेने से **महाद्वीपीय व्यवस्था मजबूत होगी। 1808 से 1814 तक स्पेन में युद्ध** का सामना करना पड़ा।
- **स्पेनिश विद्रोहियों** ने **फ्रांसीसियों को हराया**
- **बोर्गास की लड़ाई** में **स्पेनिश सेना** की **हार** हुई थी।
- अंततः **स्पेन को फ्रांसीसी प्रभुत्व से मुक्त** कर दिया गया।

ऑस्ट्रिया के साथ युद्ध

- **1809**: **ऑस्ट्रिया ने नेपोलियन पर हमला** किया।
- **वग्राम के युद्ध** में **ऑस्ट्रिया** की **हार** हुई।
- **ऑस्ट्रिया** ने **वियना की संधि पर हस्ताक्षर** किए।
- ऑस्ट्रिया ने अपने क्षेत्र का एक **बड़ा हिस्सा फ्रांस को दे दिया**।
- **ऑस्ट्रियाई राजकुमारी मारिया लुइसा** का **विवाह नेपोलियन से** हुआ।

रूस के खिलाफ युद्ध (1812)

- महाद्वीपीय व्यवस्था के उल्लंघन में रूस के साथ युद्ध में नेपोलियन शामिल था।
- **1812**: **रूस पर हमला** किया और **विफल** रहा।
- नेपोलियन के खिलाफ **एक और शक्तिशाली यूरोपीय गुट को जन्म** दिया।

प्रशिया के साथ युद्ध

- **1813**: **प्रशिया ने फ्रांस के खिलाफ युद्ध** शुरू किया।
- **उत्तर और मध्य जर्मनी के कुछ राज्यों ने प्रशिया का समर्थन** किया।
- नेपोलियन ने **लुत्ज़ीन** और **बाउटज़िन की लड़ाई में प्रशिया** और **रूस की संयुक्त सेना** को **हराया।**

नेपोलियन के खिलाफ चतुर्थ गुट

- **प्रशिया, ऑस्ट्रिया, रूस, स्वीडन और इंग्लैंड** ने मिलकर **चतुर्थ गुट** बनाया।
- **ड्रेसडेन की लड़ाई (1813):** नेपोलियन ने ऑस्ट्रिया को हराया।
- **लीपज़िग की लड़ाई (1813):** मित्र देशों की शक्तियों ने नेपोलियन को हराया।
- **परिणाम**: नेपोलियन ने सहयोगी दलों के साथ एक संधि पर हस्ताक्षर किए।
- **मार्च 1814:** चतुर्थ गुट बनाया गया था।
- **5 अप्रैल 1814:** नेपोलियन ने सम्राट के रूप में पद त्याग दिया।
- **30 मई 1814:** पेरिस की "प्रथम" संधि पर हस्ताक्षर किए गए।
- क्रांति के **युद्धों के बाद से प्राप्त सभी क्षेत्रों** का **फ्रांस ने समर्पण** कर दिया
- नेपोलियन को **एल्बास द्वीप पर निर्वासित** कर दिया गया था
- चतुर्थ गुट एक **सामान्य शांति समझौता करने के लिए वियना संधि के लिए सहमत हु**आ।

वियना की कांग्रेस (सितंबर 1814-जून 1815)

- नेपोलियन युद्धों के बाद **यूरोप को पुनर्गठित किया।**
- **प्राथमिक लक्ष्य**: एक सुरक्षित यूरोप के लिए शक्ति संतुलन स्थापित करना था।

नेपोलियन का पतन

सौ दिन युद्ध (मार्च 20-जून 22, 1815)

- **नेपोलियन** फ्रांस के लिए **एल्बा से बच निकला।**
- नेपोलियन **फ्रांस के दक्षिण में** और बड़े पैमाने पर लोकप्रिय समर्थन के साथ **पेरिस में प्रवेश** किया।
- उसने **लुई XVIII से सत्ता छीन ली**, जो पेरिस भाग गया।
- नेपोलियन ने एक सेना खड़ी की और **16 जून, 1815 को बेल्जियम में एक प्रशिया को हराया।**

वाटरलू की लड़ाई 1815

- **नेपोलियन युद्धों की अंतिम लड़ाई**
- **परिणाम**: नेपोलियन इंग्लैंड से हार गया।
- नेपोलियन को **अफ्रीका के तट से दूर सेंट हेलेना के दक्षिण अटलांटिक द्वीप में निर्वासित** कर दिया गया था।
- **1821**: **नेपोलियन की मृत्यु** हुई।

Unleash the topper in you

- **महाद्वीपीय प्रणाली:** यह **ब्रिटिश वाणिज्य के विनाश के माध्यम से** ग्रेट **ब्रिटेन को पंगु बनाने के लिए नेपोलियन द्वारा नाकाबंदी की गई** थी; यह काफी हद तक **अप्रभावी** साबित हुआ और अंततः **नेपोलियन के पतन का कारण** बना।
- **प्रायद्वीपीय युद्ध (1807-1814):** यह नेपोलियन युद्धों के दौरान **इबेरियन प्रायद्वीप के नियंत्रण के लिए फ्रांस की आक्रमणकारी** और **अतिक्रमणीय ताकतों के खिलाफ स्पेन**, **यूनाइटेड किंगडम** और **पुर्तगाल द्वारा लड़ा गया** सैन्य संघर्ष था।
- **रूस पर आक्रमण:** नेपोलियन ने यूनाइटेड किंगडम पर शांति हेतु मुकदमा करने के लिए दबाव बनाने के प्रयास में प्रतिनिधियों के माध्यम से ब्रिटिश व्यापारियों के साथ व्यापार बंद करने के लिए रूस के ज़ार अलेक्जेंडर । को मजबूर किया।
    - अभियान का आधिकारिक राजनीतिक **उद्देश्य पोलैंड को रूस के आक्रमण के खतरे से मुक्त करना** था।
- 1812 में **रूस के विनाशकारी आक्रमण के बाद** महान **फ्रांसीसी प्रभुत्व** तेजी से **ढह गया। नेपोलियन दोषपूर्ण प्रचालन-तन्त्र**, **खराब अनुशासन**, **बीमारी**, आदि जैसे कई कारणों से 1812 में **रूस को जीतने में विफल** रहा।
- **नेपोलियन** को **1814 में पराजित** किया गया था और लौटने से पहले **एल्बा द्वीप में निर्वासित** कर दिया गया था और अंत में **1815 में वाटरलू में पराजित** हुआ था।

नेपोलियन के शासन का मूल्यांकन

सकारात्मक उपलब्धियां	• **क्रांतिकारी संस्थानों को संगठित** किया • पूरी तरह से **केंद्रीकृत फ्रांसीसी सरकार की स्थापना** की। • उन्होंने **चर्च के साथ एक स्थायी समझौता** किया। • फ्रांसीसी क्रांति की **सकारात्मक उपलब्धियों को शेष यूरोप में** फैलाया।
अन्य देशों पर प्रभाव	• **1807** तक **जर्मनी के अधिकांश हिस्सों में दास प्रथा को समाप्त** कर दिया गया था। • **जर्मनी** को **39 राज्यों में पुनर्गठित** किया गया था। • **प्रशिया** और **ऑस्ट्रिया** ने **आत्म-संरक्षण के लिए अपनी सेना में सुधार** किया।
नकारात्मक प्रभाव	• **व्यक्तिगत स्वतंत्रता** का **दमन** हुआ • **गणतंत्रवाद विकृत** हुआ • उन्होंने पूरे **यूरोप में विजित लोगों पर अत्याचार** किया तथा युद्ध के भयावह परिणाम हुए
औद्योगिक क्रांति	• औद्योगिक क्रांति **ग्रेट ब्रिटेन में 1750 के दशक में शुरू** हुई और **19वीं शताब्दी तक जारी** रही और **पूरे यूरोप में फैल गई**। • **मशीनीकृत उत्पादों के उत्पादन में वृद्धि** हुई।

Unleash the topper in you